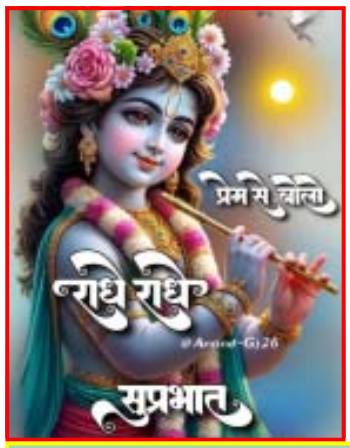

“सच्ची खोज अच्छी खबर”

ज्ञान सरोवर

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ष : 16 अंक : 44 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 14 नवम्बर से 20 नवम्बर, 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

कांग्रेस की सोच ने किसानों को किया बदहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले– महाराष्ट्र को महायुति की स्थिर सरकार की जरूरत

महाराष्ट्र के सोलापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र को महायुति की स्थिर सरकार की जरूरत है जिसका एकमात्र उद्देश्य राज्य का विकास है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आपको याद रखना चाहिए कि जिस वाहन पर एमवीए के लोग यात्रा कर रहे हैं वह सबसे अस्थिर है। वे आपस में लड़कर अपना समय बर्बाद करते हैं। उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र की आस्था और संस्कृति में विश्वास करने वाली महायुति की सरकार काम करती है, तो कैसे कैसे परिणाम आते हैं, सोलापुर के लोगों ने ये देखा है। सोलापुर के लोग जिस विकास की मांग दशकों से कर रहे थे, जो प्रोजेक्ट्स दशकों से लटके थे, महायुति सरकार ने उन्हें पूरा करके दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश–विदेश से आने वाले लोगों को यहां हुए विकास कार्यों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। हमारे सोलापुर में पालकी यात्रा की बहुत प्राचीन परंपरा है, पहले यात्रियों को बहुत परेशानी होती थी। पालकी महामार्ग का निर्माण करवाकर इस परेशानी को हल करने का सौभाग्य भी हमें ही मिला है। उन्होंने कहा कि ये बदलाव केंद्र की भाजपा और महाराष्ट्र की महायुति सरकार के कामों से संभव हुआ है। आज हम विकसित महाराष्ट्र से विकसित भारत के निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि महाराष्ट्र को अगले 5 साल तक महायुति की ऐसी सरकार की जरूरत है, जो स्थिर हो, जिसका एकमात्र लक्ष्य महाराष्ट्र का विकास हो। स्थिर सरकार ही महाराष्ट्र के लिए दूरगामी नीतियां बना पाएगी। मोदी ने कहा कि आप सब देख रहे हैं कि अघाड़ी में कैसे भगदड़ मची हुई है। अभी से अघाड़ी में मुख्यमंत्री पद के लिए खींचतान, नूराकुश्ती चल रही है। एक पार्टी पूरे दिन अपने नेता को मुख्यमंत्री बताने में लगी रहती है। दूसरी पार्टी और कांग्रेस वाले उनकी दावेदारी खारिज करने में लगे रहते हैं। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि चुनाव से पहले जिनका ये हाल है, वो अघाड़ी वाले महाराष्ट्र को कभी भी स्थिर सरकार नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक देश पर राज किया है। लेकिन उनकी सोच थी – समस्याओं को बनाए रखना, लोगों को समस्याओं में उलझाए रखना। कांग्रेस की इसी सोच ने महाराष्ट्र के किसानों को बदहाल बनाए रखा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार देश में गन्ना किसानों के लिए काम कर रही है। इथेनॉल इकोनॉमी के जरिए हम गन्ना किसानों के लिए कमाई के नए रास्ते बना रहे हैं। क्या मोदी के पीएम बनने के बाद आई इथेनॉल तकनीक? नहीं, यह पहले भी था लेकिन पिछली सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण बढ़कर 15: हो गया। लक्ष्य 20: के लक्ष्य तक पहुंचने का है। पिछले 10 वर्षों में हमने इथेनॉल खरीद के माध्यम से गन्ना किसानों को 80,000 करोड़ रुपये दिए हैं। मोदी ने कहा कि इस इलाके में सिंचाई के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने आप लोगों को बहुत तरसाया है। हमने यहां किसानों की सिंचाई की समस्या को दूर करने पर फोकस किया। हमारे प्रयासों से सोलापुर जिले के कई गांवों का जलस्तर बढ़ रहा है। महायुति सरकार ने किसानों के बिजली के बिल माफ कर दिए। हमारी कोशिश है कि अब किसानों को बिजली का बिल भरना ही न पड़े। इसलिए हम हर खेत तक सोलर ऊर्जा पहुंचाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि हम महिलाओं को जन–कल्याण की सभी योजनाओं के केंद्र में रखकर काम कर रहे हैं। आज पीएम आवास योजना के तहत बनने वाले घर महिलाओं के नाम पर बन रहे हैं। मुद्रा योजना की सबसे बड़ी लाभार्थी हमारी माताएं–बहनें हैं। हम 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने के मिशन में जुटे हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से 12 नवम्बर, 2024 को उनके सरकारी आवास पर उत्तराखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण ने शिष्टाचार भेंट की।

ट्रैक्टर-ट्राली से कुचलकर गर्भवती की मौत

अंबेडकरनगर (संवाददाता)। खेत से घर लौट रही गर्भवती को कोतवाली क्षेत्र जलालपुर में रन्नूगंज के निकट सोमवार देर शाम अनियंत्रित ट्रैक्टर–ट्रॉली ने कुचल दिया। इससे उसकी मौत हो गई। महिला के ससुर ने मामले में जानबूझकर ट्रैक्टर चढ़ा देने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करने के लिए तहरीर दी है। कोतवाली जलालपुर क्षेत्र के बंदीपुर गांव निवासी शोभावती (37) सोमवार देर शाम खेत से पैदल ही घर लौट रही थी। बताया जाता है कि जब वह रन्नूगंज के निकट पहुंची तो इसी बीच पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली ने उसे कुचल दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर भाग खड़ा हुआ। गंभीर हालत में शोभावती को सीएचसी जलालपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार को मृतका के ससुर मिट्ठू ने कोतवाली पहुंचकर जानबूझकर महिला को कुचलने की तहरीर दी। कहा कि विपक्षी से विवाद चल रहा है। उसने जानबूझकर उसकी गर्भवती बहू पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पुत्री परिणय सूत्र में बंधी

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पुत्री अंजलि मंगलवार रात यहां एक समारोह में अनीश के साथ परिणय सूत्र में बंध गईं। अनीश कोटा के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार से हैं। यह विवाह देवउठनी ग्यारस के अवसर पर सम्पन्न हुआ। समारोह में राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता राजेंद्र सिंह राठौड़, राज्य के युवा मामलों के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। बुधवार को बूंदी रोड स्थित एक रिसॉर्ट में रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा जिसमें कई विशिष्ट अतिथियों के पहुंचने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा रिसेप्शन के लिए कोटा आने वाले हैं।

घमण्ड में चूर ब्राह्मणों की आंख खोलने वाली जानकारी जो स्वयं केन्द्रिय मंत्री नितीन गडकरी जी ने ट्विटर पर पोस्ट की है पढ़े और महत्व को समझें

श्री गडकरी ट्वीट करके कहा है कि आज के जमाने में असली दलित ब्राह्मण हैं। उन्होंने अपनी बात को बल देने के लिए, फ्रांसीसी पत्रकार फ्रांसिस गुइटर की रिपोर्ट भी शेयर की है जिसके मुख्य बनबिंदु निम्नलिखित हैं।

दिल्ली के 50 शुलभ शौचालयों में तकरीबन 325 सफाई कर्मचारी हैं। यह सभी ब्राह्मण वर्ग के हैं।

दिल्ली और मुंबई के 50% रिक्शा चालक ब्राह्मण हैं। इनमें से अधिकतर पांडे, दुबे, मिश्रा, शुक्ला, तिवारी यानी पूर्वांचल और बिहार के ब्राह्मण हैं।

दक्षिण भारत में ब्राह्मणों की स्तिथि अछूत सी है कुछ जगहों पर। बाकी जगहों पर लोगों के घरों में काम करने वाले 70% बावर्ची और नौकर ब्राह्मण हैं।

ब्राह्मणों में प्रति व्यक्ति आय मुसलमानों के बाद भारत में सबसे कम हैं। यहां और अधिक चिंता का विषय यह है कि 1991 की जनगणना के बाद से मुसलमानों की प्रति व्यक्ति आय सुधर रही है लगातार वहीं ब्राह्मणों की और कम हो रही है।

ब्राह्मण भारत का दूसरा सबसे बड़ा कृषक समुदाय है। पर इनके पास मौजूद खेती के साधन अभी 40 वर्ष पीछे हैं। इसका कारण ब्राह्मण होने की वजह से इन किसानों को सरकार से उचित मुआवजा, लोन और बाकी रियायतें न मिलना रहा है। अधिकतर ब्राह्मण किसान कम आय की वजह से आत्महत्या या जमीन बेचने को मजबूर हैं।

ब्राह्मण छात्रों में ष्ड्रॉप आउटष यानी पढ़ाई अधूरी छोड़ने की दर अब भारत में सबसे अधिक है। वर्ष 2001 में ब्राह्मणों ने इस मामले में मुसलमानों को पीछे छोड़ दिया और तब से टॉप पर कब्जा किये बैठे हैं।

ब्राह्मणों में बेरोजगारी की दर भी सबसे अधिक है। समय पर नौकरी/रोजगार न मिल पाने की वजह से 14: ब्राह्मण हर दशक में विवाह सुख से वंचित रह रहे हैं। यह दर भारत के किसी एक समुदाय में सबसे अधिक है। यह ब्राह्मणों की आबादी लगातार गिरने का बहुत बड़ा कारण है।

आंध्र प्रदेश में बड़ी संख्या में ब्राह्मण परिवार 500 रुपये प्रति महीने और तमिलनाडु में 300 रुपए प्रति महीने पर जीवन यापन कर रहे हैं। इसका कारण बेरोजगारी और गरीबी है। इनके घरों में भुखमरी से मौतें अब आम बात है।

भारत में ईसाई समुदाय की प्रति व्यक्ति आय तकरीबन 1600 रुपए, sc/st की 800 रुपए, मुसलमानों की 750 के आस पास है। पर ब्राह्मणों में यह आंकड़ा सिर्फ़ 537 रुपये है और यह लगातार गिर रहा है।

ब्राह्मण युवकों के पास रोजगार की कमी, प्रॉपर्टी की कमी के कारण सबसे अधिक ब्राह्मण लड़कियों के अरेंज विवाह दूसरी जातियों में हो रहे हैं।

उपरोक्त आकंड़े बता रहे हैं कि ब्राह्मण कुछ दशकों में वैसे ही खत्म हो जाऐंगे। जो बचे खुचे रहेंगे उन्हें वह जहर खत्म कर देगा जो सोशल मीडिया पर दिन रात ब्राह्मणों के खिलाफ गलत लिखकर नई पीढ़ी का ब्रेनवाश करके उनके मन में ब्राह्मणों के प्रति अंध नफरत से पैदा किया जा रहा है। महाशय हम कहाँ जा रहे हैं,ध्यान देना होगा हमे अपने भविष्य पर।

ब्राह्मणों से सात यक्ष प्रश्न

1—ब्राह्मण एक कैसे होंगे और कब होंगे?

2— ब्राह्मण एक दूसरे की सहायता कब करेंगे?

3—ब्राह्मण संगठनों में एकता कैसे होगी?

4—ब्राह्मण अपना वोट एक जगह कब देंगे?

5— ब्राह्मण ब्राह्मण का गुणगान कब करेंगे?

6—उच्च पदों पर बैठे अफसर, ब्राह्मण मंत्री, mp/ MLA अपने निहित स्वार्थ से ऊपर उठ कर ब्राह्मणों की बिना शर्त सहायता कब करेंगे?

7—गरीब ब्राह्मणों की सहायता करने के लिए ब्राह्मण महाकोष का गठन कब होगा?

इसका उत्तर एक कट्टर ब्राह्मण चिंतक प्राप्त करना चाहता है स

यदि आप सही में ब्राह्मण जाति उद्धार चाहते हैं तो इसे मानना प्रारंभ करें पढ़कर कम से कम दस ब्राह्मणों को अवश्य भेजें!

पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़, तीन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है। जिसमें दो बदमाश गिरफ्तार किए गए हैं। एक बदमाश पुलिस की गोली से घायल होने के बाद गिरफ्तार हुआ है। जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस इनके पकड़े जाने के बाद उनके पुराने रिकॉर्ड को खंगाल रही है और जल्द ही कुछ बड़े खुलासे भी करने वाली है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि 12 नवंबर को थाना बिसरख पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान नया हैबतपुर चौकी क्षेत्र गौर सिटी 2 पर बदमाशों के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ के बाद बदमाश मोनू यादव को घायल अवस्था में तथा अन्य दो बदमाश मुकेश और पवन को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया हैं। बदमाशों के आपराधिक इतिहास व अन्य जानकारी की जा रही है।

जय आत्मेश्वर
आज की प्रार्थना

कल था आज है, आगे रहेगा,
गुरु तत्व प्रवाह, आपका निरंतर।
नाना रूप में, दे रहे हो चौतन्य,
कृपा करो, अनुभव हो, अभ्यंतर।।

मान सम्मान, मिल रहा है प्रभु जी,
मैं बहक न जाऊँ, मैं हूँ विशिष्ट।
सत्य याद रखूँ, सिर्फ माध्यम हूँ,
किए हो चौतन्य, मुझमें प्रविष्ट।।

- आत्मिक श्रीधर

श्रीरामचरितमानस— विचार

जासु बिरहँ सोचहु दिन राती ।
रटहु निरंतर गुन गन पाँती ।।
रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता
आयउ कुसल देव मुनि त्राता ।।
(उत्तरकांड 1/2)

राम जी रावण का बध कर सीता जी व लक्ष्मण सहित अयोध्या वापस आ रहें हैं । उन्होंने हनुमान जी से कहा कि देर न हो जाए इसलिए आप मेरे आने की सूचना जाकर भरत को दीजिए । हनुमान जी ब्राह्मण रूप में अयोध्या आते हैं और भरत जी को राम राम रटते हुए पाते हैं । वे भरत जी से कहते हैं कि जिनके विरह में आप दिन रात सोचा करते हैं और जिनके गुणों को आप दिन रात रटते रहते हैं , वे रघुकुल शिरोमणि , सज्जनों को सुख देने वाले , देवताओं व मुनियों के रक्षक राम जी सकुशल वापस आ गये हैं । मित्रों! राम जी उन्हीं को अपने आने की सूचना देते हैं जो भरत जी की तरह दिन रात उनके नाम का स्मरण करते रहते हैं । क्या आप राम नाम स्मरण करते हैं ? आप भी राम राम रटें , आप महसूस करेंगे कि राम जी आपमें भी आ गये हैं , आपके पास आ गये हैं । अतएव और कुछ नहीं बस ! राम रट , राम रट , राम रट बावरे , राम रट बावरे

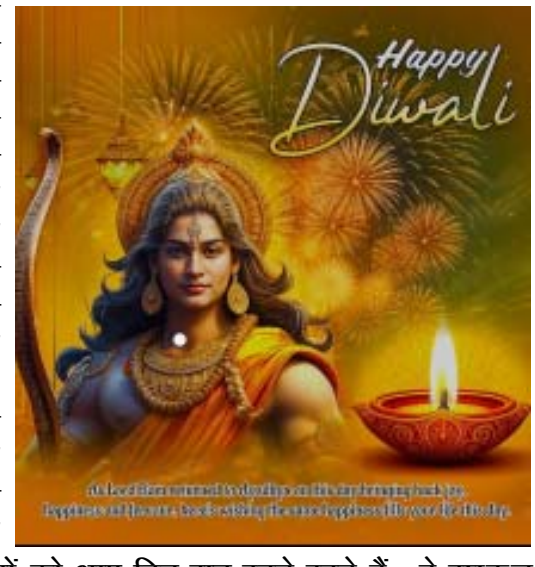

आपका शुभेच्छु
देशराज तिवारी एवं तिवारी परिवार श्री हरि

सम्राट अशोक की जन्म-जयंती हमारे देश में क्यों नहीं मनाई जाती

बहुत सोचने पर भी, उत्तर नहीं मिलता! आप भी इन प्रश्नों पर विचार करें!

सम्राट अशोक

पिताजी का नाम — बिन्दुसार गुप्त

माताजी का नाम — सुभद्राणी

जिस सम्राट के नाम के साथ संसारभर के इतिहासकार "महान" शब्द लगाते हैं

जिस —सम्राट का राज चिन्ह अशोक चक्र भारतीय अपने ध्वज में लगाते है।

जिस सम्राट का राज चिन्ह ष्चारमुखी शेरष को भारतीय ष्राष्ट्रीय प्रतीकष मानकर सरकार चलाते हैं स और ष्सत्यमेव जयतेष को अपनाया है।

जिस देश में सेना का सबसे बड़ा युद्ध सम्मान, सम्राट अशोक के नाम पर, ष्अशोक चक्रष दिया जाता है।

जिस सम्राट से पहले या बाद में कभी कोई ऐसा राजा या सम्राट नहीं हुआष..जिसने ष्अखंड भारतष (आज का नेपाल, बांग्लादेश, पूरा भारत, पाकिस्तान, और अफगानिस्तान) जितने बड़े भूभाग पर एक—छत्र राज किया हो।

सम्राट अशोक के ही, समय में ष२३ विश्वविद्यालयोंष की स्थापना की गई स जिसमें तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिला, कंधार, आदि विश्वविद्यालय प्रमुख थे स इन्हीं विश्वविद्यालयों में विदेश से छात्र उच्च शिक्षा पाने भारत आया करते थे।

जिस —ष्सम्राटष के शासन काल को विश्व के बुद्धिजीवी और इतिहासकार, भारतीय इतिहास का सबसे ष्स्वर्णिम कालष मानते हैं।

जिस ष्सम्राटष के शासन काल में भारत ष्विश्व गुरुष था स ष्सोने की चिड़ियाष था स जनता खुशहाल और भेदभाव—रहित थी स

जिस सम्राट के शासन काल में, सबसे प्रख्यात महामार्ग ष्ग्रेड ट्रंक रोडष जैसे कई हाईवे बने। 2,000 किलोमीटर लंबी पूरी ष्सडकष पर दोनों ओर पेड़ लगाये गए स ष्सरायेंष बनायीं गईं..।

मानव तो मानव..,पशुओं के लिए भी, प्रथम बार ष्चिकित्सा घरष (हॉस्पिटल) खोले गए ।

पशुओं को मारना बंद करा दिया गया

ऐसे महान सम्राट अशोक

जिनकी जयंती उनके अपने देश भारत में क्यों नहीं मनायी जाती ?? न ही कोई छुट्टी घोषित की गई है?

दुखः है कि, जिन नागरिकों को ये जयंती मनानी चाहिए...वो अपना इतिहास ही भुला बैठे हैं, और जो जानते हैं, वो ना जाने क्यों मनाना नहीं चाहते??

जो जीता वहीचंद्रगुप्त

ना होकर, ष्जो जीता वही सिकन्दर कैसे हो गया??

जबकि ये बात सभी जानते हैं, कि सिकन्दर की सेना ने चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रभाव को देखते हुए ही लड़ने से मना कर दिया था। बहुत ही बुरी तरह से मनोबल टूट गया था और सिकंदर को ष्वापस लौटनाष पड़ा था।

आइए हम सब मिलकर इस ष्ऐतिहासिक भूलष को सुधार करने की शपथ लें।

कम से कम पांच ग्रुप मैं जरूर भेजे

कुछ लोग नही भेजेंगे

लेकिन मुझे यकीन है आप जरूर भेजेंगे

साभार

नालासोपारा में दो दिवसीय सार्वजनिक छठ पूजा महापर्व उत्साह से संपन्न

नालासोपारा के आचोले तालाब, गालानगर तालाब एवं मोरेगाव तालाब पर डॉक्टर ओमप्रकाश की अध्यक्षता में नालासोपारा सेवा समिती, जय ओम सेवा संस्था, आस्था एकता संस्था, भारतीय जनता पार्टी एवं छठ माता सेवा समिती द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित 7 व 8 नवंबर 2024 को दो दिवसीय सार्वजनिक छठपूजा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बडे उल्हास के साथ भक्तीपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। आचोले तालाब पर प्रकाश अग्रहरि, हरिओम शर्मा,विजय चन्द्रा, मनोज त्रिपाठी, संतोष स्वाइन, सुशील कन्नौजिया , रंजीत मोहंती, गौरव ,अंकिता पांडेय, अंजली शुक्ल, अरुण सिंह, अम्ब्रीस मिश्रा, गाला नगर में राजेश यादव, चंद्रशेखर यादव, श्वेता सिंह, शशिकांत तेलंगे, अक्षय, नितिन , राजू, मोरेगांव में विनोद पांडेय, ऋषभ तिवारी, खुशबू मिश्रा , अमित चौहान , आनंद विश्वकर्मा , राजेश गुप्ता, राकेश मायाबंशी, प्रमोद इन कलाकारों ने छठ माता के गीत और भक्ति संगीत गा कर भक्तो के मन को प्रसन्न कर दियास इन तिनो जगह पर भक्ती संगीत का आयोजन संतोष स्वाईन इन्होने किया।

कार्यक्रम में इंदौर के वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र शुक्ला और कौशल दीक्षित अपने पूरे परिवार के साथ शामिल हुए साथ ही नालासोपारा के वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित थे स नालासोपारा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी संदीप पांडे और स्वराज अभियान के संस्थापक, प्रहार जनशक्ती पक्ष के उम्मीदवार धनंजय गावड़े अपने दोस्तों और सहयोगियों के साथ मौजूद थे। ऐसे कई गणमान्य लोगों ने छठ व्रतियों को शुभकामनाएं दीं और छठी मैया का आशीर्वाद लिया।

श्री. नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे, नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर एवं नालासोपारा सेवा समिती के अध्यक्ष डॉक्टर ओमप्रकाश दुबे, नालासोपारा सेवा समिती के सचिव नवल किशोर मिश्रा इनके मार्गदर्शन में यह दो दिवसीय सार्वजनिक छठ पूजा महापर्व का कार्यक्रम संपन्न हुआ स आस्था एकता संस्था के अध्यक्ष अमित ओमप्रकाश दुबे व उनके सहयोगियों ने कार्यक्रम सफल करने के लिये कडी मेहनत की।

बहुत आश्चर्य होता है जब देश को मात्र 40 करोड़ रुपये के लिए गिरवी रखने वाले लोग कहते हैं कि, वर्तमान सरकार ने भारत की अर्थ व्यवस्था को बर्बाद कर दिया

अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय, एक मशहूर कम्पनी, एनरॉन नें, महाराष्ट्र के दाभोल में कारखाना लगाने की प्लानिंग की...!!

लेकिन, यह स्थानीय लोगों के प्रतिरोध के कारण, हो न सका !! फलस्वरूप, बदलती विषम परिस्थितियों से नाराज एनरॉन नें, भारत सरकार पर 38,000 करोड़ के नुकसान की भरपाई का मुकदमा दायर कर दिया...।

वाजपेयी सरकार ने हरीश सालवे (सालवे जी नें, कुलभूषण जाधव का मुकदमा इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में लड़ कर जीता...) को भारत सरकार का वकील नियुक्त किया...। पर आप जान कर चोंक जाएंगे कि, एनरॉन के वकील पी. चिदंबरम बनें...!! यानी, पी चिदंबरम भारत के विरुद्ध...।।

समय बीतता चला गया ..!! बादमें यूपीए सरकार बनी...!! कैबिनेट मंत्री चिदंबरम, एनरॉन की तरफ से मुकदमा नहीं लड़ सकते थे...!! पर वो कानूनी सलाहकार बने रहे और, वो मुकदमे को एनरॉन के पक्ष में करने में सक्षम थे...।।

अगला खुलासा और चौकानें वाला है!!

चिदंबरम ने तुरंत हरीश सालवे को एनरॉन केस से हटा दिया...। हरीश साल्वे की जगह, खबर कुरेशी को नियुक्त किया गया...। आप ठीक समझे, ये वही पाकिस्तानी वकील है जिसनें, कुलभूषण जाधव केस में, पाकिस्तान सरकार का मुकदमा लड़ा...!!

कांग्रेस ने भारत सरकार कि तरफ से, पाकिस्तानी वकील को 1400/- करोड़ दिये वकील कि फीस के रुप में...। अंततः भारत मुकदमा हार गया और भारत सरकार को 38,000/- करोड़ का भारी भरकम मुआवजा देना पड़ा...। लेकिन, लुटीयन मिडिया ने ये खबर या तो गोल दी या सरसरी तौर पर नहीं दिखाई!!

अब सोचिए कि 38000/- करोड़ का मुकदमा लडने के लिए फीस कितनी ली होगी...? जो पाठक किसी क्लेम के केस मे वकील कि फीस तय करते है उन्हें पता होगा कि, वकील केस देखकर दस प्रतिशत से लेकर साठ प्रतिशत तक फीस लेता है...।

सोचिए इस पर कोई हंगामा नही हुआ...?

और एक मजेदार बात .. जिन कम्पनियों का एनरॉन मे निवेश करके यह प्रोजेक्ट केवल फाईल किया था उनका निवेश महज मात्र 300 मिलियन डालर... याने उस वक्त कि डालर रुपया विनियम दर के हिसाब से, महज 1530/- करोड़ था, और वह भी बैठे बिठाये...। महज सात साल मे 38,000/- करोड़ का फायदा...! वो भी एक युनिट बिजली का संयंत्र लगाये बिना...?

कांग्रेस हमारी सोचने की क्षमता से भी ज्यादा विनाशकारी है !! (यह थी विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, अनुभवी और पढे लिखे लुटेरो की सरकार...!!) जिस किसी को भी कोई शंका हो वो

गूगल में जाकर देख सकता है।

आदरणीय बन्धुओ कांग्रेस नें जो गद्दारी देश के साथ की है, इनके कुकर्मो का खूब वायरल करना चाहिए, जिससे हमारी युवा पीढ़ी को भी जानकारी होनी चाहिए, कि देश अन्य देशों से इन 70 सालों में पीछे कैसे रह गया।

सम्पादकीय...

कांग्रेस के आरोप गंभीर

चुनाव की स्वच्छता पर कांग्रेस की ठोस राय क्या है? अगर देश में स्वच्छ चुनाव नहीं हो रहे, तो इस प्रश्न पर उसकी तैयारी क्या है? ऐसी शिकायतों का समाधान निर्वाचन आयोग या न्यायपालिका के पास जाने से तो नहीं हो सकता। जैसी अपेक्षा थी, निर्वाचन आयोग ने हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी की कांग्रेस की शिकायत ठुकरा दी है। उसने कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद, भ्रामक और तथ्यों से दूर बताया है। आयोग सिर्फ यहीं तक रुका। उसने कांग्रेस को चेतावनी दी कि भविष्य में पार्टी ऐसे आरोप लगाने से बाज आए। आयोग ने इल्जाम लगाया है कि ऐसे सामान्य किस्म के आरोप लगाकर कांग्रेस बिना किसी साक्ष्य के झूठे कथानक फैला रही है। आयोग ने कहा है कि ऐसी बातें मतदान या मतगणना का दिन करीब आने पर की जाती हैं, जिससे भड़काऊ माहौल बन सकता है। हरियाणा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेरफेर की शिकायत दर्ज कराई थी। कहा था कि कुछ क्षेत्रों में ईवीएम 99 प्रतिशत तक चार्ज्ड अवस्था में पाई गई, जो सामान्यतः संभव नहीं है। अब चूंकि आयोग ने इन शिकायतों को सिरे से खारिज कर दिया है, तो सवाल है कि कांग्रेस क्या करेगी? क्या दलील मंजूर ना होने की पूरी संभावना के बावजूद वह सुप्रीम कोर्ट जाएगी? या चुपचाप इस मसले को यहीं छोड़ अगले चुनावों में मशगूल हो जाएगी? अनुमान लगाया जा सकता है कि महाराष्ट्र या झारखंड में कहीं भी इंडिया गठबंधन हारा, तो ऐसी शिकायतें फिर से उठाई जाएंगी। आयोग की ये बात सही है कि विपक्ष अपनी हर हार के बाद ऐसा नैरेटिव खड़ा करता है। यह सच है कि विपक्ष जीत जाए, तो फिर वह जश्न मनाने में जुट जाता है। मुद्दा यह है कि चुनाव की स्वच्छता और निष्पक्षता पर कांग्रेस की ठोस राय क्या है? अगर वह मानती है कि देश में स्वच्छ चुनाव नहीं हो रहे, तो क्या इस प्रश्न पर उसने इंडिया गठबंधन के सहभागियों के साथ कोई साझा राय बनाने की कोशिश की है? ऐसी शिकायतों का समाधान निर्वाचन आयोग या न्यायपालिका में जाने से नहीं हो सकता। कांग्रेस के आरोप गंभीर किस्म के हैं। तो पहली शर्त है कि पार्टी खुद इसे गंभीरता से ले। अगर ऐसा है, तो फिर उसे व्यापक जन आंदोलन की तैयारी करनी चाहिए। वरना, इस गंभीर प्रश्न को अगंभीरता से उठाना छोड़ देना चाहिए।

आम आदमी छला जा रहा

आज पिछले कुछ वर्षों से खास करके उत्तर प्रदेश में जबसे योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने हैं,तबसे उत्तर

प्रदेश के बड़े बड़े अपराधी, जिससे लोग भय खाते थे।जरायम की दुनियाँ में जिनका नाम ही काफी था।जिनके लिए प्रशासन पंगु था,प्रशासनिक अधिकारी जिनकी रखैल हुआ करते थे।वो सभी खौफ में जीने के लिए मजबूर हैं।जो जीना चाह रहा है,वो भूमिगत हो गया।और जो अब भी प्रशासन को पंगु और प्रशासनिक अधिकारी को अपनी रखैल समझने की भूल की या तो खाक के मिल गया,या मिट्टी में मिल गया।जबसे योगी की सरकार उत्तर प्रदेश में बनी है,तबसे उत्तर प्रदेश में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी का संविधान किताब से निकलकर जमीन पर दिखने लगा है।नहीं तो कहने के लिए सरकार थी,मगर शासन अपराधी करते थे।जबसे बाबा का बुलडोजर अपराधियों के सीने पर चढ़कर शेर की तरह गरजने लगा है,तबसे उत्तर प्रदेश में शासन और कानून दोनो दिखने लगा है।जबसे बाबा जी ने प्रशानिक अधिकारियों को निर्देशित कर दिया है कि किसी भी अपराधी द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा है तो,उसे उसके कब्जे के साथ ही जमींदोज कर दिया जाय,तबसे अपराध में बहुत कमी आई है।आम जन सकून से जी रहे हैं।व्यापारी और उ।ोगपति चौन से सो रहे हैं।प्रशासनिक अधिकारी ढंग से काम कर रहे हैं।उसी की देखा देखी अन्य राज्यों में बुलडोजर गरजने लगे।जिससे अपराधियों के हौसले पस्त होने लगे हैं।अपराधियों में भय व्याप्त है।उन्हें यह भय सताने लगा है,जो अवैध तरीके से साम्राज्य खड़ा किए हैं,वो एक झटके से ढह जायेगा।

आज मैं यह देख रहा हूँ कि अपराधियों से अधिक माननीय न्यायालय भयाक्रांत है।बड़े बड़े अपराधियों द्वारा जो गरीबों का हक मारकर जबरन बंदूक की नोक पर कब्जा जमाया गया था।उसे अब सरकार मुक्त करा रही है तो माननीय न्यायालय को बहुत तकलीफ है।दुर्दान्त अपराधियों का परिवार दिख रहा है।उनकी तकलीफ दिख रही है।उनके रिस्तेदारों का दुख दिख रहा है।लेकिन वहीं हमने देखा है,जब आम आदमी मालगुजारी नहीं भर पाता है तो ,यही माननीय अदालत उसके घर की कुर्की का आदेश देती है।गुस्से में यदि आम आदमी से छोटे गुनाह हो जाते हैं तो तब यही माननीय न्यायालय कैसे कैसे आदेश पारित करती है।उस आम आदमी के नात रिश्तेदार मित्र सब प्रताड़ित किये जाते हैं,क्यों?तब क्यों माननीय अदालत यह नहीं कहती की अपराधी के अलावाँ किसी को प्रताड़ित न किया जाय।और घर की कुर्की तो बिल्कुल न की जाय।क्योंकि कुर्की होने पर नौनिहालों पर इसका बुरा असर पड़ता है।परिवार भुखमरी की कागार पर चला जाता है।माननीय अदालत को यह क्यों नहीं दिखता।

क्या आम आदमी का कोई मौलिक अधिकार नहीं है।क्या सभी मौलिक अधिकार जिसकी दुहाई माननीय अदालत ने दी है,वह सिर्फ दुर्दान्त अपराधियों,भ्रष्टाचारियों आतंकवादियों,दहशतगर्दों के ही हैं।आम आदमियों के नहीं हैं।आज दुर्दान्त अपराधियों पर,दंगाइयों पर जब सरकार उचित कार्यवाई कर रही है तो,माननीय अदालत को इतनी पीड़ा क्यों?।आम आदमी का दर्द जो प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा,दुर्दान्त अपराधियों द्वारा,आतंकवादियों द्वारा,दंगाइयों द्वारा प्रताड़ित किये जाते हैं तो माननीय अदालत को क्यों नहीं दिखा या दिखता है।क्या माननीय न्यायालय भी नहीं चाहती कि आम आदमी, उ।ोगपति, व्यापारी सकून से अपना काम करके जीये चौन से खा पीकर सोये।बार बार माननीय न्यायालय दुर्दान्त अपराधियों के समर्थन में बिना किसी विरोध क्यों खड़ी होती है।यह आम जनता आज तक नहीं समझ पाई।

कहीं ऐसा तो नहीं कि माननीय न्यायालय अपराधियों के संरक्षण में इसलिए तो नहीं खड़ी होती कि अपराध नहीं होंगे तो हम क्या करेंगे।सभी फैसले यदि सरकार ही कर देगी तो,हमारी जरूरत ही खत्म हो जायेगी। इसीलिए तो माननीय न्यायालय अपराधियों के साथ खड़ी नहीं हो रही।कहीं माननीय न्यायालय को यह भय तो नहीं सता रहा कि यदि अपराधी नहीं रहेंगे तो हमारा ही अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा।यदि सरकार ही न्याय करने लगेगी तो न्यायाधीश की जरूरत ही खत्म हो जायेगी।हमारी और हमारे परिवार के विलाशितापूर्ण जीवन पर ग्रहण लग जायेगा।इस भय से तो नहीं माननीय न्यायालय अपराधियों के मौलिक अधिकार की दुहाई देकर उनकी सुरक्षा में खड़ी है,और प्रशासन को पंगु बनाने में लगी है।जिस तरह का निर्णय कल माननीय न्यायालय ने दिया है,वह उपरोक्त बातों की तरफ ही इशारा कर रहा है।माननीय न्यायालय नहीं चाहती कि अपराध और अपराधी दोनों खत्म हों।माननीय न्यायालय नहीं चाहती कि आम आदमी उ।ोगपति व्यापारी इस देश में सकून से जीये खाये और काम करके देश की उन्नति में योगदान कर सके,और चौन से सो सके।

अपराधी शायद इसीलिए बेखौफ अपना साम्राज्य खड़ा कर लेते हैं।क्योंकि उनकी सुरक्षा में माननीय न्यायालय सदैव तत्पर है।न्यायालय न्यायालय न होकर अपराधियों अतिवादियों आतंकवादियों देशद्रोहियों भ्रष्टाचारियों की शरणस्थली सी हो गई है।माननीय अदालत अच्छी तरह से जानती है कि दुर्दान्त अपराधियों के विरोध में कोई गवाह नहीं खड़ा होगा।फिर भी माननीय न्यायालय स्व संज्ञान लेकर उचित फैसला नहीं करती।अब सरकार कर रही है तो माननीय न्यायालय के पेट में दर्द हो उठा।यह बात कल के माननीय न्यायालय के निर्णय से परिलक्षित हो रहा है।आम जन के लिए न्यायालय भी कठोर है।यह दोगलापंथी आज तक समझ से परे ही है।इसलिए कहना पड़ रहा है,आम आदमी छला जा रहा है।

पं.जमदग्निपुरी

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में होगी मोहम्मद शमी की वापसी, मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे

कोलकाता । भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की लगभग एक साल बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी जब वह बुधवार से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेलेंगे। बंगाल क्रिकेट संघ ने यह घोषणा की। पिछले साल 19 नवंबर को विश्व कप 2023 फाइनल के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर शमी के टखने में चोट थी जिसके लिए उन्हें आपरेशन कराना पड़ा। उनका लक्ष्य बेंगलुरू में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़े रिहैबिलिटेशन के बाद मैच स्थिति में मैच फिटनेस साबित करना होगा। बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव नरेश ओझा ने बयान में कहा, ''भारतीय क्रिकेट टीम और बंगाल रणजी ट्रॉफी को स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बुधवार से इंदौर में मध्य प्रदेश

के खिलाफ शुरू हो रहे बंगाल के रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने से मजबूती मिलेगी।'' ओझा ने कहा कि शमी बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे और ऑस्ट्रेलिया में मौजूद भारत के थिंक टैंक की नजरें भी उनके प्रदर्शन पर टिकी होंगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बोर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का साथ देने के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अनुभवहीन तेज गेंदबाजों पर भरोसा किया है। मुकेश कुमार, नवदीप सैनी और खलील अहमद भी रिजर्व खिलाड़ियों को शामिल हैं लेकिन इन्हें भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। शमी ने 2018–19 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की टेस्ट श्रृंखला में 2–1 की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 26.18 के औसत से 16 विकेट चटकाए थे।

ओम शांती मुलुंड

दयानंद सरस्वती कॉलेज के ग्राउंड में भागवत सप्ताह मे आदरणीय आशिष भाई ब्रह्मकुमारीस को भी निमंत्रण दिया था!भागवत गीता के उपर प्रवचन कर रहे है ष्कथावाचक आदरणीय आशिष भाई ने ब्रह्माकुमारीस को भी निमंत्रण दिया था जिसने ब्रह्माकुमारी वर्षा बहेंन ने गीता के उपर अपना वक्तव्य दिया!साथ मे सविता बहन का भी सन्मान किया उनके साथ उद्योजक संजय भाई माली राजेश भाई अमन जी आदरणीय नानजीभाई किंजीभाई ठक्कर थाना वाला भी उपस्थित थे और भी मान्यवर दिखाई दे रही है!

कलाकृति केंद्र द्वारा महान नृत्याँगना स्व. सितारा देवी को नमन कार्यक्रम संपन्न

मुंबई। सुप्रसिद्ध नृत्याँगना स्व. सितारा देवी को नृत्य संगीत आर्ट्स एवम संगीत सभा के संयुक्त तत्वाधान में शनमूखानंद

मय ष्नमनष कार्यक्रम का आयोजन कलाकृति केंद्र,स्व सितारा देवी गुरुकुल, शन्मुखानंद फाइन हॉल सायन मुंबई पर किया गया है। कलाकृति केंद्र द्वारा विगत 30वर्षों से सितारा देवी के सम्मान में कत्थक नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सितारा देवी गुरुकुल की जयंती माला मिश्रा, फजल कुरैशी,ऋषिका मिश्रा, सौरभ मिश्रा, गौरव मिश्रा, वैभव मांकड़, अलका गुजर अपनी प्रतिभाओ का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सभी कत्थक प्रेमीयों एवम स्व.सितारा देवी के चाहने वालों, शिष्यों, घराने के लोगों ने उपस्थित रह कर कत्थक नृत्य का आनंद लिया और महान नृत्याँगना सितारा देवी को नृत्य संगीत मय श्रद्धांजलि अर्पित किया। आयोजक राजेश मिश्रा ने सभी कलाकारों, दर्शकों, नृत्य संगीत प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

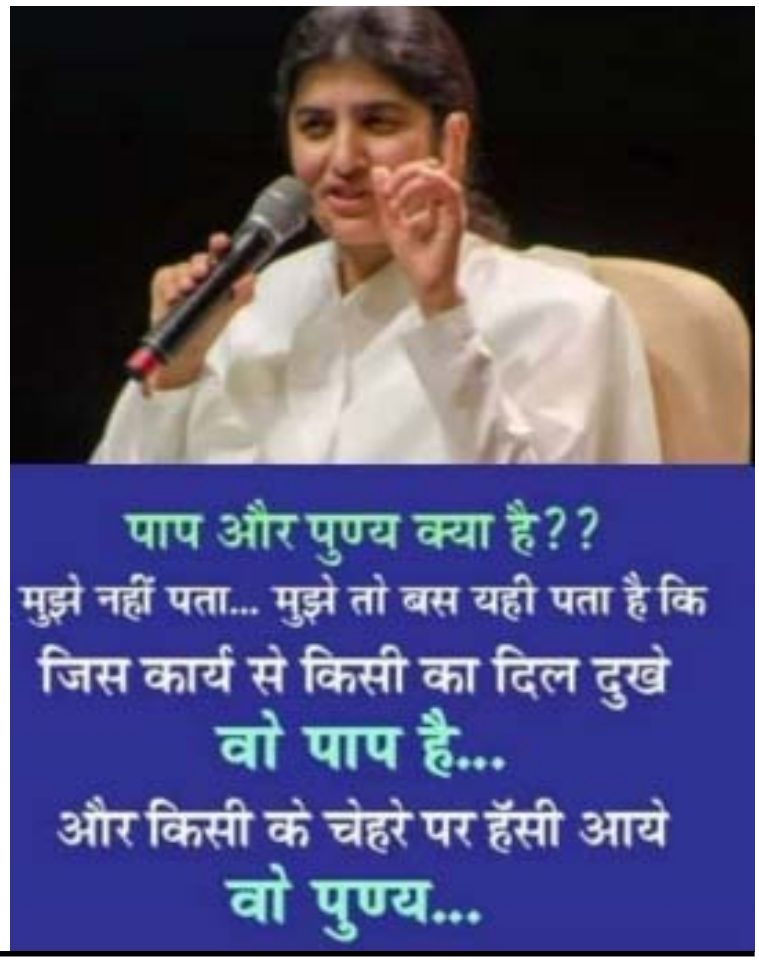

मंगलमय देवोत्थान एकादशी

चतुर्मास पश्चात भगवान श्रीनारायण हरि के निद्रा से जागरण का पावन दिवस ही देवोत्थान एकादशी के रूप में मनाया जाता है। भारतीय सनातन परंपरा में अनेकों पर्व – त्यौहार मनाए जाते हैं एवं सभी पर्व त्यौहार अपने आप में कुछ विशिष्ट सीखों को धारण किए हुए हैं। मनुष्य के भीतर दैवीय गुणों को एवं मानवीय चेतना में सुषुप्त देवत्व को जागृत करना ही देवोत्थान एकादशी व्रत का मुख्य उदेश्य है।

यदि हृदय में सत्कर्म करने की भावना जग जाए, सत्य के मार्ग पर चलने का भाव जग जाए तो यही जीव की वास्तविक जागृति है और यही मानव जीवन का वास्तविक जागरण भी है। भगवान नारायण ही धर्म स्वरूप हैं। हमारे भीतर भी धर्म का जागरण होना चाहिए। भगवान का बैकुंठ में जागना तो महत्व रखता ही है साथ ही प्रभु से प्रार्थना करें कि वे हमारे हृदय रूपी बैकुंठ में भी जग कर हमारे इस मानव जीवन को श्रेष्ठता की ओर अग्रसर करें। देवोत्थान एकादशी एवं माँ तुलसी व भगवान शालिग्राम जी के मंगल विवाहोत्सव की बहुत बहुत बधाई।

श्री व्यंकटेश देवस्थान में ब्रह्मोत्सव का भव्य आयोजन

मुंबई। फणस वाड़ी स्थित श्री व्यंकटेश बालाजी भगवान के मंदिर में ब्रहमोत्सव का भव्य आयोजन एवं व्यंकटेश बालाजी की विभिन्न वाहनों पर सवारी की झांकी प्रस्तुत की गयी. इस अद्भुत नज़ारे को देखने हेतु 12 दिनों में लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सड़कों पर उमड़ पड़ी. यह जगतगुरु स्वामी श्रीनिवासचार्य एवं बालक स्वामी श्री अनंतचार्य जी के सानिध्य में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। रोजाना प्रवचन, भजन, वेद पाठ, हवन, पूजन, आरती, महाप्रसाद, भंडारा का आयोजन हुआ।

॥ ॐ श्री वाग्देव्यै नमः ॥ ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः॥ ॥ ॐ श्री परशुरामाय नमः ॥

*** आमंत्रण पत्र ***

द्रोणाचार्य पर परिसंवाद एवं सम्मान समारोह

महोदय/महोदया,

श्री नरसिंह के. दुबे चैरिटेबल ट्रस्ट एवं अखिल ब्रह्म विज्ञान संस्थान, मुंबई के संयुक्त तत्त्वावधान में डॉ. श्रीभगवान तिवारी जी के मार्गदर्शन में 'द्रोणाचार्य' पर परिसंवाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। अतः समस्त विद्वन्मण्डल से विनम्र निवेदन है कि समारोह में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएँ।

श्री. जयप्रकाश दुबे जी
(अध्यक्ष नरसिंह के.दुबे चैरिटेबल ट्रस्ट)

* मुख्य अतिथि *
श्री. दद्दन सिंह जी
(संस्थापक राजपूताना परिवार)

* विशेष अतिथि *
श्री. आशीष मिश्र जी
(भवन निर्माता)

* विशिष्ट अतिथि *
श्री. देवेन्द्र तिवारी जी
(महामंत्री उत्तर भारतीय संघ मुंबई)

*** सम्मानमूर्ति***

वेदमूर्ति गोरक्षनाथ पेंठणकर जी
(संस्थापक सिद्ध मठ)

श्री. अनिल कुमार मिश्र
(एच आर एडमिनिस्ट्रेशन श्रेया लाइफ साइंजेस प्रा. लि.)

*** कार्यक्रम स्थल ***
नालासोपारा मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, अचोले, नालासोपारा पूर्व, पालघर
समय : दि.१७ नवंबर २०२४, रविवार, शाम ४-००बजे

* कार्यक्रम *

-: दीपार्चन एवं माल्यार्पण :-
अतिथियों के द्वारा (श्रीगणेश, माँ सरस्वती एवं भगवान परशुराम की छवि पर)

सरस्वती वंदना
डॉ. रोशनी किरण

स्वागत गीत
श्रीमती अर्चना उपाध्याय

अतिथि परिचय
आचार्य रामव्यास उपाध्याय

-: उद्घाटक :-
डॉ. श्रीभगवान तिवारी जी

-: प्रास्ताविकी :-
डॉ. ओमप्रकाश दुबे जी
(डायरेक्टर आयुर्वेद महाविद्यालय, नालासोपारा)

परिचर्चक मंडल

- डॉ. रोशनी किरण - परशुराम वंदना
- श्रीमती अर्चना उपाध्याय -भूमिका
- डॉ. अमरबहादुर पटेल - समकालीन समाज
- प्रो. शशिकला पटेल- भरद्वाज और निषाद
- डॉ. चन्द्रभूषण शुक्ल- द्रोणाचार्य एक दृष्टि
- श्रीमती रीमा सिंह-अभिशप्त अहल्या
- आचार्य रामव्यास उपाध्याय- अग्निवैश्य का गुरुकुल
- डॉ.अवनीश सिंह- विपन्न अश्वत्थामा
- श्री शैलेश सिंह -द्रोण और एकलव्य
- श्री धनंजय चौबे- विवश द्रोण का छल
- श्री रासविहारी पाण्डेय- अपमान का बदला
- श्री राम सिंह- अज्ञातवास
- आचार्य वीरेंद्र त्रिपाठी- अश्वत्थामा का गमन
- श्रीमती रीना राय- शरद्वान और उर्वशी
- मंच संचालक- डॉ.चन्द्रभूषण शुक्ल
- अतिथियों का वक्तव्य एवं अध्यक्षीय भाषण
- आभार - श्री जनार्दन मिश्र,
- राष्ट्रगान, अल्पाहार, समापन ।

संयोजक- श्री आर. के. सर, प्रो. आशुतोष मिश्र, श्री अजय शुक्ल, श्री प्रभाशंकर शुक्ल, श्री आशुतोष शुक्ल, श्री रमेश दुबे, श्री चंद्रवीर यादव, श्री विकास पाण्डेय

निवेदक : श्री नरसिंह के. दुबे चैरिटेबल ट्रस्ट, नालासोपारा।

आमंत्रक : अखिल ब्रह्मविज्ञान संस्थान, मुंबई।

कुछ भूखे कुछ प्यासे लोग।
रोज़ी रोटी गाते लोग।।

नासमझी का ओढ़ लबादा।
क्या से क्या कर जाते लोग।।

देख रहे हैं रोज सियासत।
अपनी माँग उठाते लोग।।

वर्ग भेद का कच्चा चिट्ठा।
खोल खोल समझाते लोग।।

इधर भूख का मंज़र पसरा।
उधर माल गोलियाते लोग।।

हाथ मिलाते हैं कुबेर से।
बड़ा खेल कर जाते लोग।।

यहाँ गरीबी लेकर बैठे।
झोली हैं फैलाते लोग।।

इसी विषमता के चक्कर में।
रोज गुलामी लाते लोग।।

भारत माँ की कौन सोचता।
अपना काम बनाते लोग।।

कर्ज यहाँ पर काल बन गया।
उसको नहीं चुकाते लोग।।

लापरवाही के हाथों में।
लाठी हैं पकड़ाते लोग।।

लोकतंत्र का गाना गाकर ।
क्या लाना क्या लाते लोग।।

लालच की दरिया बहती है।
उसमें खूब नहाते लोग।।

ऊपर से नीचे तक देखो।
स्वार्थ गीत हैं गाते लोग।।

बहकावे में आ जाते हैं।
हरदम खाते पीते लोग।।

देशभक्ति पर हम क्या बोलें।
कितना ध्यान लगाते लोग।।

रंगमंच पर देख रहा हूँ।
कैसे कैसे आते लोग।।

भाषण में आ गई गरीबी।
बार बार दुहराते लोग।।

बाहर बच्चा बिलख रहा है।
उसको नहीं हँसाते लोग।।

खुद में धँसते चले जा रहे।
सेवा धर्म भुलाते लोग।।

कुछ भूखे कुछ प्यासे लोग।
रोज़ी रोटी गाते लोग।।

—अन्वेषी

कांग्रेस का इतिहास टूटे वादों से भरा पड़ा है, हिमाचल की जनता से धोखा हुआ: अनुराग ठाकुर

मुंबई । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी का इतिहास टूटे वादों से भरा पड़ा है और हिमाचल प्रदेश के लोग उसे सत्ता में लाकर इसकी कीमत चुका रहे हैं। महाराष्ट्र मे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के वास्ते भाजपा के प्रचार अभियान के लिए अनुराग राज्य में मौजूद हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि वे महाराष्ट्र को बचाना चाहते हैं तो महायुति को वोट दें। भाजपा नेता ने पत्रकारों से बात करते हुए महायुति द्वारा किए गए विकास का उल्लेख किया और कहा कि ईमानदार शासन और निरंतर प्रगति चाहने वालों के लिए यह एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश के नागरिकों का विकास करने के वास्ते''गारंटियों की लंबी सूची'' के साथ सत्ता में आई थी और इसके शासन के कई महीनों बाद भी लोग इन वादों के बारे में सोच रहे हैं कि ये कब पूरे होंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऐसी एक भी पार्टी नहीं है जिसे कांग्रेस ने कभी धोखा नहीं दिया हो। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''कांग्रेस का इतिहास टूटे वादों और झूठे आश्वासनों से भरा पड़ा है और इस बार हिमाचल प्रदेश इसकी कीमत चुका रहा है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में सब्सिडी वाली बिजली, महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता, सस्ता दूध और रोजगार सृजन का वादा करके सत्ता में आई थी। लेकिन कांग्रेस के शासन के कुछ महीनों बाद ही हिमाचल के लोग हैरान हैं कि ये वादे कहां चले गए।

ग़ज़ल
बहर

आ के महफ़िल हमारी सजा एक दिन,
हम भी देखें वो प्यारी अदा एक दिन।

कोई मौक़ा, अगर जो मिला एक दिन,
हम भी हो जाएंगे फिर रिहा एक दिन।

अब तलक सांस ने साथ पूरा दिया,
क्या पता कब वो दे दे दग़ा एक दिन।

जब दवा भी न कोई असर कर सकी,
काम आयी है आख़िर दुआ एक दिन।

झांकता है हमेशा मेरे दिल में तू,
राज़ अपने भी हमको बता एक दिन।

हम हैं कितने सहनशील, जग जान ले,
तू ही आके हमें अब सता एक दिन।

धन बरत लो नहीं तो ये रह जायेगा,
सब धरा पे धरा का धरा एक दिन।

—नरेन्द्र शर्मा ख़ामोश

रदीफ़ एक दिन
काफ़िया आ

बोली मुझसे ये आकर हवा एक दिन
हो तेरा इश्क़ ना फिर सज़ा एक दिन

माँगती हूँ यही रात दिन रब से मैं
तुझको लग जाये मेरी दुआ एक दिन

प्यार है ज़िंदगी लोग कहते हैं पर
हो न जाये कभी ये बला एक दिन

भूल बैठे हैं हम रास्ता घर का ही
मिल ही जाएगा अपना पता एक दिन

जिसको ढूँढा मेरी ज़ीस्त ने रात भर
मिल गया मुझको वो ही ख़ुदा एक दिन

क़ैद है दिल तो तेरे ख़यालों में पर
सोचती हूँ कि होगा रिहा एक दिन

ऐ कनक है सनम पर निछावर ये जां
हम रहेंगे उन्हें ये जता एक दिन

—डॉ कनक लता तिवारी

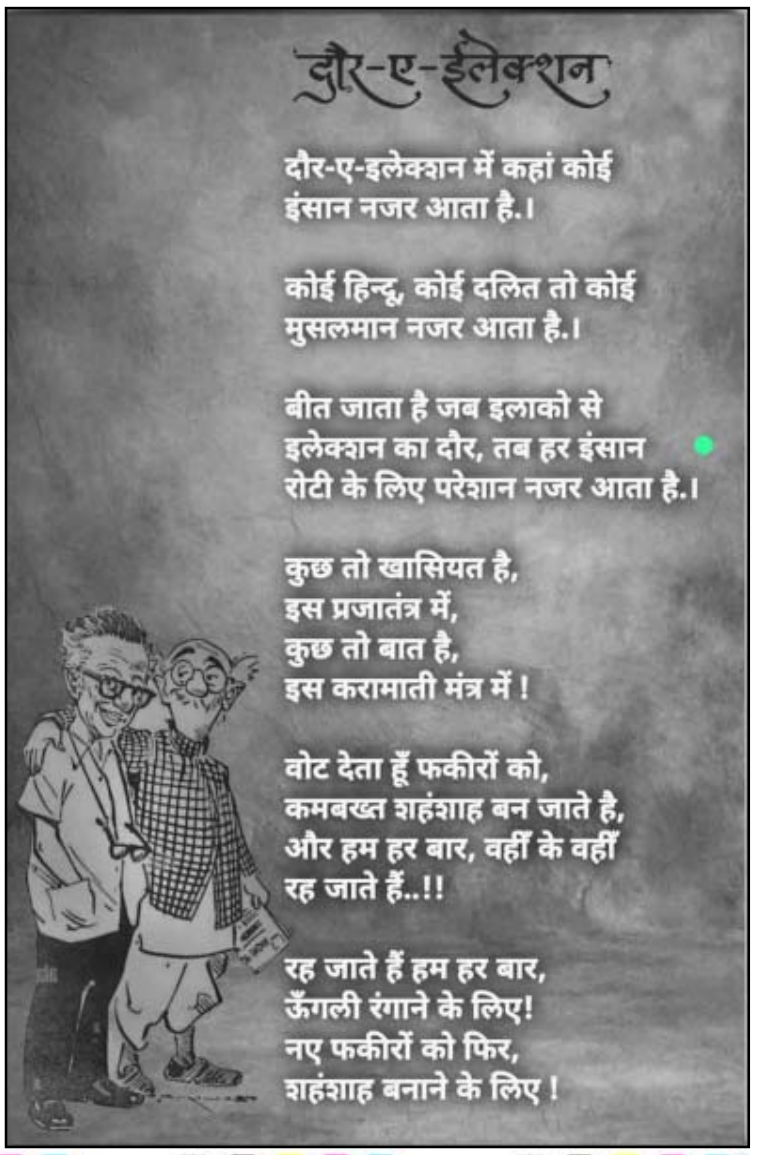

गर सुखी जीवन चाहो तो

गर सुखी जीवन चाहो तो
बात माना करो सभी लुगाई की।
झूठ कभी नहीं कहता ,जब भी
करता बात सभी की भलाई की।।

जिसने भी नहीं बात मानी
ठीक से खाना भी न खा पाता है।
पानी खुद लेकर पीना सीख लिया
वरना प्यासा ही रह जाता है।।
एक दिन की बात बताऊं यारों
सासु जी आने वाली थीं।
स्टेशन उनको लेने मेरी लुगाई भी
जाने वाली थीं।।
किस्मत मेरी फूट गई मैं खुद
स्टेशन लाने चला गया।
पता पढ़ गया घरवाली को
सारा गुस्सा मुझ पर फूट गया।।
जैसे तैसे सासू जी को घर लेकर आया।
दिन भर से भूखा यारो पानी तक हमने न पाया।।
पता चला जब सासू जी को
कुछ दया उन्होंने दिखलाई।
जैसे तैसे लुगाई को उनने
ले देकर शांत कराई।।
हालत हमरी तो बद से बद्तर
जब तक सासू संग संग रही।
आप सभी मजाक में लेना
बात बिल्कुल कही सही सही।।
अंत भला तो सभी भला
बात में रहती बहुत ही दम।
सासू जी को जब विदा किया
स्टेशन लुगाई को लेकर साथ गए हम।।
गलती भले नहीं अपनी फिर भी
गलती मान लो।
कभी लुगाई की बात न काटना
बिल्कुल जीवन में ठान लो।।
गर सुखी जीवन चाहो तो
बात माना करो सभी लुगाई की।
झूठ कभी नहीं कहता ,जब भी
करता बात सभी की भलाई की।।

हरि प्रकाश गुप्ता सरल
भिलाई छत्तीसगढ़

नमस्कार
दिवाली जा रही है!

अगले साल, आने के लिए !!
जाते जाते दे रही है!
कुछ संदेश, निभाने के लिए !!
दिवाली कहती हैं कि मेरे जाने के बाद भी
चंद दीपक जला के रखना!
एक दीपक आस का! एक दीपक विश्वास का!
एक दीपक प्रेम का! एक दीपक शांति का!
एक दीपक मुस्कुराहट का!
एक दीपक अपनों के साथ का!
एक दीपक स्वास्थ का! एक दीपक भाईचारे का!
एक दीपक बड़ों के आशीर्वाद का!
एक दीपक छोटों के दुलार का! एक दीपक निस्वार्थ सेवा का!
और इन ग्यारह दीपकों के साथ बिताना आप अगले ग्यारह महीने !!
मैं फिर अगले साल आ जाऊंगी
फिर से एक दूसरे के साथ मिल कर
आप मेरे नए दीपक जला लेना !!
शुभचिंतक वो नही होते जो आपसे रोज़ मिलें और बातें करें.
शुभचिंतक वो हैं जो आपसे रोज़ ना भी मिल सकें फिर भी आपकी सुख समृध्दि और खुशी के लिए प्रार्थना करें.....!!
हम आपकी सुख समृध्दि और खुशी के लिए उपरवाले से प्रार्थना करते हैं

क्या आप जानते हैं कि छठ महापर्व हिंदू धर्म के पूर्णतः वैज्ञानिक परंपरा पर आधारित है ?...Chhat is Purly Scientific-----

छठ पूजा सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है इसका वैज्ञानिक और औषधीय महत्व भी है. सूर्य की परा बैगनी किरणों (Ultra-Violet Ray) के दुष्प्रभाव से बचने के लिए पानी में खड़े रहकर दिया जाता है..अर्घ्य ग्लूकोज और कैल्शियम से भरपूर होते हैं छठ के प्रसाद छठ महज एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, इसमें विज्ञान भी छुपा है। व्रत करने वाले शारीरिक और मानसिक रूप से इसके लिए तैयार होते हैं।

छठ पूजा के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली चीजें शरद ऋतु को अनुसार ही होती हैं। कार्तिक महीने में प्रजनन शक्ति बढ़ती है और गर्भवती महिलाओं के लिए विटामिन–डी बहुत जरूरी होता है। इसलिए सूर्य पूजा की परंपरा बनाई गई है। वैज्ञानिक और औषधीय महत्व सूर्य को जल देने की बात करें तो इसके पीछे रंगों का विज्ञान छुपा है। इंसान के शरीर में रंगों का संतुलन बिगड़ने से भी कई बीमारियों के शिकार होने का खतरा होता है।

प्रिज्म के सिद्धांत (Theory of Optics) के मुताबिक सुबह सूर्यदेव को जल चढ़ाते समय शरीर पर पड़ने वाले प्रकाश से ये रंग संतुलित हो जाते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ जाती है। त्वचा के रोग कम होते हैं।

सूर्य की रोशनी से मिलने वाला विटामिन डी शरीर में पूरा होता है। वैज्ञानिक नजरिये से देखें तो षष्ठी के दिन विशेष खगोलीय बदलाव होता है। तब सूर्य की परा बैगनी किरणें असामान्य रूप से एकत्र होती हैं और इनके दुष्प्रभावों से बचने के लिए सूर्य की ऊषा और प्रत्यूषा के रहते जल में खड़े रहकर छठ व्रत किया जाता है। छठ के ज्यादातर प्रसाद में होता है कैल्शियम चतुर्थी को लौकी और भात का सेवन करना शरीर को व्रत के अनुकूल तैयार करने की प्रक्रिया का हिस्सा है। पंचमी को निर्जला व्रत के बाद गन्ने के रस व गुड़ से बनी खीर पर्याप्त ग्लूकोज की मात्रा सृजित करती है। छठ में बनाए जाने वाले अधिकतर प्रसाद में कैल्शियम की भारी मात्रा मौजूद होती है। भूखे रहने के दौरान अथवा उपवास की स्थिति में मानव शरीर नैचुरल कैल्शियम का ज्यादा उपभोग करता है। प्रकृति में सबसे ज्यादा विटामिन–डी सूर्योदय और सूर्यास्त के समय होता है। अर्घ्य का समय भी यही है। अदरक व गुड़ खाकर पर्व समाप्त किया जाता है। साइंस के अनुसार उपवास के बाद भारी भोजन हानिकारक है. ससम्मान.

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार –विज्ञान एवं खेलकूद एवं सचिव – इंडियन साइंस राइटर्स एसोसिएशन (ISWA) (उत्तर प्रदेश) (गोरखपुर)

खेल प्रतियोगिता में मुडॉव विद्यालय के छात्र को प्रथम स्थान

जौनपुर संवाददाता। आज सम्पन्न हुए न्याय पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिता में संविलयन विद्यालय मुड़ाँव, मुँगराबादशाहपुर, जौनपुर के बच्चों ने संविलयन विद्यालय सरायखेम के प्रांगण में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्याय पंचायत स्तर पर 100 मीटर, 200मीटर दौड़, कबड्डी बालक–बालिका, खो–खो बालक –बालिका अन्य प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए दमदार प्रदर्शन किया। जिसमें न्याय पंचायत के समस्त अभिभावकों एवं अध्यापकों का अपार स्नेह प्राप्त हुआ जिसके लिए विद्यालय परिवार समेत क्षेत्रवासियो का भी आभार खेल संयोजक की ओर से व्यक्त किया गया है।

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।